तीसरी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची

प्रलिम्सि के लयि:

सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची, रक्षा अधग्रिहण प्रक्रयाि 2020, रक्षा क्षेत्र से संबंधति पहल।

मेन्स के लयि:

रक्षा और संबंधति चुनौतयिों के लयि स्वदेशीकरण का महत्त्व।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में रक्षा मंत्रालय (MoD) ने **रक्षा वनिरि्माण में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लयि तीसरी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची** के एक भाग के रूप में 351 प्रणालयिों और घटकों के आयात को प्रतबिंधति कर दयिा है।

- जून 2021 में MoD ने **दूसरी नकारात्मक आयात सूची** को 108 वस्तुओं की **'सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची'** के रूप में नामति कयिा था।
- 101 वस्तुओं वाली **'प्रथम नकारात्मक स्वदेशीकरण'** (First Negative Indigenisation) सूची को अगस्त 2020 में अधसिूचति कयिा गया था।

प्रमुख बदिु:

- **वसूली:**
  - सभी 351 वस्तुओं को अब **रक्षा अधग्रिहण प्रक्रयाि (डीएपी) 2020** में दयि गए प्रावधानों के अनुसार स्वदेशी स्रोतों से खरीदा जाएगा।
    - डीएपी 2020 में नमि्नलखिति खरीदारी से संबंधति श्रेणयिाँ - खरीद (भारतीय स्वदेशी रूप से वकिसति और नरि्मति), खरीद (भारतीय), खरीद और बनाना (भारतीय), खरीद (भारत में वैश्वकि नरि्माण) और खरीद (वैश्वकि) शामलि हैं।
- **समय-सीमा:**
  - दसिंबर 2022 से 172 प्रणालयिों और घटकों के आयात को रोक दयिा जाएगा, जबकि 89 वस्तुओं के एक अन्य बैच पर प्रतबिंध दसिंबर 2023 से लागू होगा। तथा 90 वस्तुओं का आयात दसिंबर 2024 से रोक दयिा जाएगा।
- **शामलि वस्तुएँ:**
  - इस सूची में सेंसर, समियुलेटर, हथयिार और गोला-बारूद जैसे- हेलीकॉप्टर, नेक्स्ट जेनरेशन कॉर्वेट, एयरबोर्न अर्ली वार्नगि एंड कंट्रोल (AEW&C) सस्टिम, टैंक इंजन, **मीडयिम रेंज सरफेस टू एयर मसिाइल** (MRSAM) आदि को शामलि कयिा गया है।
- **महत्त्व:**
  - यह **आत्मनरि्भर** पहल हर वर्ष **लगभग 3,000 करोड़ रुपए के बराबर वदिेशी मुद्रा की बचत** करेगी।
  - यह आत्मनरि्भरता **आत्मनरि्भर भारत** की स्थतिि प्राप्त करने और रक्षा नरि्यात को बढ़ावा देने के दोहरे उद्देश्यों को पूरा करने के लयि सार्वजनकि तथा नजिी क्षेत्र की सक्रयि भागीदारी के साथ स्वदेशीकरण को बढ़ावा देगी।
  - यह सूची न केवल स्थानीय रक्षा उद्योग की क्षमता को महत्त्व देती है, बल्कि प्रौद्योगकिी और वनिरि्माण क्षमताओं में नए नविश को आकर्षति करके **घरेलू अनुसंधान तथा वकिास** को भी गति प्रदान करेगी।
  - यह सूची 'स्टार्ट-अप' के लयि एक उत्कृष्ट अवसर भी प्रदान करती है, क्योंकि इस पहल से **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों** (MSMEs) को अत्यधकि बढ़ावा मलिेगा।

रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण

- **परचिय:**
  - स्वदेशीकरण आत्मनरि्भरता प्राप्त करने और आयात के बोझ को कम करने के दोहरे उद्देश्य के लयि देश के भीतर कसिी भी **रक्षा उपकरण के वकिास और उत्पादन की क्षमता** है।
  - **रक्षा उत्पादन में आत्मनरि्भरता रक्षा उत्पादन वभिाग** के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है।
    - **रक्षा अनुसंधान वकिास संगठन (डीआरडीओ), रक्षा सार्वजनकि क्षेत्र के उपक्रम (डीपीएसयू)** और नजिी संगठन रक्षा

उद्योगों के स्वदेशीकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।
  - **भारत दुनिया के सबसे बड़े हथियार आयातकों में से एक** है और अगले पाँच वर्षों में सशस्त्र बलों द्वारा रक्षा खरीद पर**लगभग 130 बिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च** करने की उम्मीद है।
- **भूमिका:**
  - सोवियत संघ पर अत्यधिक निर्भरता के कारण रक्षा औद्योगीकरण के प्रति भारत के दृष्टिकोण में बदलाव लाया।
  - वर्ष 1980 के दशक के मध्य से सरकार ने **अनुसंधान एवं विकास (Research and Development**) में संसाधनों का इस्तेमाल किया ताकि डीआरडीओ को हाई प्रोफाइल परियोजनाएँ शुरू करने हेतु सक्षम बनाया जा सके।
  - रक्षा स्वदेशीकरण में एक महत्त्वपूर्ण शुरुआत वर्ष 1983 में हुई थी जब सरकार ने 5 मिसाइल सिस्टम (पृथ्वी, अग्नि, त्रिशूल, आकाश, नाग) विकसित करने के लिये **एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (IGMDP)** को मंज़ूरी दी थी।
  - सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये स्वदेशी प्रयास पर्याप्त नहीं थे, जिसके परिणामस्वरूप विदेशी कंपनियों के साथ साझेदारी में **सह-विकास और सह-उत्पादन की ओर ध्यान केंद्रित** किया गया।
  - इसकी **शुरुआत वर्ष1998 में** हुई थी, जब भारत और रूस ने संयुक्त रूप से **ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल** का उत्पादन करने के लिये **एक अंतर-सरकारी समझौते पर हस्ताक्षर** किये थे।
- **आवश्यकता:**
  - **राजकोषीय घाटा कम करना:**
    - भारत दुनिया में (सऊदी अरब के बाद) दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक है।
    - उच्च आयात निर्भरता से राजकोषीय घाटे में वृद्धि होती है।
      - दुनिया में पाँचवाँ सबसे बड़ा रक्षा बजट होने के बावजूद, भारत अपने हथियार प्रणालियों का 60% विदेशी बाज़ारों से खरीदता है।
  - **सुरक्षा दृष्टिकोण:**
    - रक्षा में स्वदेशीकरण राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये भी महत्त्वपूर्ण है। यह तकनीकी विशेषज्ञता को बरकरार रखता है और स्पिन-ऑफ प्रौद्योगिकियों एवं नवाचार को प्रोत्साहित करता है जो अक्सर इससे उत्पन्न होते हैं।
    - उरी, पठानकोट और पुलवामा हमलों जैसे लगातार संघर्ष विराम उल्लंघन से जुड़े खतरों से बचने के लिये स्वदेशीकरण की आवश्यकता है।
  - **रोज़गार सृजन:**
    - इससे उपग्रह उद्योगों का निर्माण होगा जो बदले में रोज़गार के अवसरों के सृजन का मार्ग प्रशस्त करेगा।
    - सरकारी अनुमानों के अनुसार, रक्षा संबंधी आयातों में 20-25% की कमी से भारत में सीधे तौर पर अतिरिक्त 100,000 से 120,000 अत्यधिक कुशल रोज़गार सृजन हो सकता है।
  - **सामरिक क्षमता:**
    - एक आत्मनिर्भर और आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग भारत को शीर्ष वैश्विक शक्तियों में स्थान प्रदान करेगा।
  - **देशभक्ति की धारणा:**
    - राष्ट्रीयता और देशभक्ति रक्षा उपकरणों के स्वदेशी उत्पादन से बढ़ सकती है, जो बदले में न केवल भारतीय बलों के विश्वास को बढ़ावा देगी बल्कि उनमें अखंडता और संप्रभुता की भावना को भी मज़बूत करेगी।
- **चुनौतियाँ:**
  - रक्षा के स्वदेशीकरण के उद्देश्य से विभिन्न नीतियों को उसके तार्किक निष्कर्ष तक ले जाने के लिये एक संस्थागत क्षमता का अभाव।
  - बुनियादी ढाँचे की कमी से भारत की रसद लागत बढ़ जाती है जिससे देश की लागत प्रतिस्पर्द्धात्मकता और दक्षता कम हो जाती है।
  - भूमि अधिग्रहण के मुद्दे रक्षा निर्माण और उत्पादन में नए प्लेयर्स के प्रवेश को प्रतिबंधित करते हैं।
  - **DPP** (रक्षा खरीद नीति, जिसे अब DAP 2020 से बदल दिया गया है) के तहत नीतिगत दुविधा ऑफसेट आवश्यकताओं के कारण अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद नहीं मिली। (ऑफसेट एक विदेशी आपूर्तिकर्त्ता के साथ अनुबंधित मूल्य का एक हिस्सा है जिसे भारतीय रक्षा क्षेत्र में फिर से निवेश किया जाना चाहिये, या जिसके खिलाफ सरकार प्रौद्योगिकी खरीद सकती है)।
    - केवल सरकार-से-सरकारी समझौते (G2G), एकल विक्रेता अनुबंध या अंतर-सरकारी समझौते (IGA) में अब ऑफसेट क्लॉज़ नहीं होंगे।
    - DAP 2020 के अनुसार, अन्य सभी अंतर्राष्ट्रीय सौदे जो प्रतिस्पर्द्धी हैं और इसके लिये कई विक्रेता हैं, उनके पास 30% ऑफसेट क्लॉज़ जारी रहेगा।
- **संबंधित पहलें:**
  - **FDI सीमा में वृद्धि:**
    - मई 2020 में रक्षा क्षेत्र में स्वचालित मार्ग के तहत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) की सीमा को 49% से बढ़ाकर 74% कर दिया गया था।
  - **आयुध निर्माणी बोर्डों का निगमीकरण:**
    - अक्तूबर 2021 में, सरकार ने चार दशक पुराने आयुध निर्माणी बोर्ड (OFB) को भंग कर दिया और युद्ध सामग्री से लेकर भारी हथियारों और वाहनों तक के रक्षा हार्डवेयर के निर्माण के लिये सात नई राज्य-स्वामित्व वाली कंपनियों के तहत 41 कारखानों को मिला दिया।
  - **डिफेंस इंडिया स्टार्टअप चैलेंज**:
    - DISC का उद्देश्य राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में प्रोटोटाइप बनाने और/या उत्पादों/समाधानों का व्यावसायीकरण करने के लिये स्टार्टअप्स/एमएसएमई/इनोवेटर्स का समर्थन करना है।
    - इसे रक्षा मंत्रालय ने अटल इनोवेशन मिशन के साथ साझेदारी में लॉन्च किया है।
  - **सृजन पोर्टल:**
    - यह एक वन स्टॉप शॉप ऑनलाइन पोर्टल है जो विक्रेताओं को स्वदेशीकरण के लिये उपकरण लेने की सुविधा प्रदान करता है।
  - **ई-बिज़ पोर्टल:**

- ई-बिज पोर्टल पर औद्योगिक लाइसेंस (IL) और औद्योगिक उद्यमी ज्ञापन (IEM) के लिये आवेदन करने की प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन कर दी गई है।

आगे की राह

- सभी आपत्तियों और विवादों से निपटने के लिये एक स्थायी मध्यस्थता प्रकोष्ठ की स्थापना की जा सकती है।
- निजी क्षेत्र को बढ़ावा देना आवश्यक है क्योंकि यह कुशल और प्रभावी प्रौद्योगिकी तथा स्वदेशी रक्षा उद्योग के आधुनिकीकरण के लिये आवश्यक मानव पूंजी का संचार कर सकता है।
- सॉफ्टवेयर उद्योग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं साइबर सुरक्षा जैसी तकनीकों का उपयोग स्वदेशी रूप से "चिप" के विकास और निर्माण के लिये किया जाना चाहिये।
- DRDO का विश्वास और अधिकार बढ़ाने के लिये उसे वित्तीय और प्रशासनिक स्वायत्तता प्रदान करना।
- रक्षा उत्पादन विभाग के कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने और निरंतरता सुनिश्चित करने के लिये लंबे कार्यकाल दिये जाने की आवश्यकता है।
- तीनों सेवाओं के बीच इन-हाउस डिज़ाइन क्षमता में सुधार किया जाना चाहिये, नौसेना ने स्वदेशीकरण के पथ पर अच्छी तरह से प्रगति की है, मुख्य रूप से इन-हाउस डिज़ाइन क्षमता, नौसेना डिज़ाइन ब्यूरो के कारण।
- एक रक्षा निर्माता के लिये मज़बूत आपूर्ति शृंखला महत्त्वपूर्ण है जो लागत को अनुकूलित करना चाहती है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/third-positive-indigenisation-list